



प्रेम विस्तार है, स्वार्थ संकुचन है। इसलिए प्रेम जीवन का सिद्धांत है। वह जो प्रेम करता है जीता है, वह जो स्वार्थी है परा होता है। इसलिए प्रेम के लिए प्रेम करो, योंकि जीने का यही एक मात्र सिद्धांत है, वैसे ही जैसे कि तुम जीने के लिए खास लेते हो।
स्वामी विवेकानंद

MPHIN/2009/34626

डाक पंजीयन क्रमांक
बालाघाट/दैनिक यशोव्रति / 2 /
2016-17

दैनिक यशोव्रति की और
खबरों एवं ई पेपर के
लिये लॉग इन करें
https://
dainikyashonnati.
com
एप डाउनलोड करें

यशोव्रति

वर्ष 8-15 अंक 94

प्रधान संपादक- राजेश अग्रवाल

yasonati@gmail.com

सिवनी मंगलवार 01 अगस्त 2023

संपादक-मनोज मदन त्रिवेदी

मूल्य 1.50 पृष्ठ-4

पृष्ठ-2 सिवनी समाचार

पृष्ठ-3 बालाघाट समाचार

पृष्ठ-4 मंडला समाचार

खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस पाने की चुनौती है भाजपा के लिये बरघाट विधानसभा

डॉ. डालसिंह बिसेन ने बरघाट से कई कांग्रेसी दिग्गजों को किया परास्त, हमेशा दस प्रतिशत अधिक मत प्राप्त किये

सिवनी यशो - बरघाट विधानसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी



(बीजेपी) के नरेश बरकड़ और कांग्रेस के अर्जुन काकोडिया के बीच काकोडिया का यह कांग्रेस के अर्जुन काकोडिया जीत दर्ज करने में सफल रहे. उन्हें 90,053 वोट मिले 2013 तक यह सीट पर बीजेपी का कब्जा था और कमल लोकेन्द्र यहां से विधायक चुने गये. लेकिन 2018 के चुनाव में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा. इस विधानसभा में 1990 से लगातार भाजपा का कब्जा रहा परंतु 2018 में कांग्रेस ने भाजपा के इस अभेद कितानों को ध्वस्त कर दिया।

अच्छाक उ मीठवार बरघाट विधानसभा के लिये रहा घाटे का सीढ़ बरघाट विधानसभा में भाजपा की यही हार के अनेक कारण है जिसमें

बरघाट विधानसभा वर्ष 1990 से भाजपा के कब्जे में रही है और इस विधानसभा में कांग्रेस ने अनेक दवां पंच लगा लिये परंतु भाजपा से वापस लेने में कांग्रेस को बड़ी सफलता नहीं मिली। वर्ष 1990 के विधानसभा चुनाव में पूरे देश में राम लाल चेल रही थी। भाजपा का तत्कालीन नेतृत्व प्रदिपति व्यापारी और जनसमूह किशोर कुमार आसकर को भाजपा का प्रत्याशी बनाना चाहते थे परंतु किशोर आसकर ने चुनाव लड़ने से साफ इंकार कर दिया था और बरघाट के तत्कालीन भाजपा के वरिष्ठ नेता नारायण सिंह ठाकुर ने डॉ. डालसिंह बिसेन का नाम आगे कर दिया डॉ. बिसेन ने बहुत ना नुसर के बाद उ मीठवारी स्वीकार की। उ मीठवारी स्वीकार करने के बाद राम मौरि अग्रवाल से जुड़े कार्यकर्ता उल्लाह से चुनाव अभियान में जुट गये और इसी बीजेपी बरघाट कांग्रेस के नेता अनिल सिंह ठाकुर ने डॉ. बिसेन को जनसमूह के अग्रिम जातिव्यवहार प्रयत्न से अपमानित करने का दुःसाहस कर दिया और यह बात क्षेत्र में आग की तरह फैल गयी इसके बाद या था

सबसे अधिक प्रभावी कारण रहा है इस क्षेत्र के विधायक रहे कमल मरसंकोले की मीठवारी की घोषणा होने और नामांकन जमा करने के बाद अनेक अग्रिम क्षणों में उन्की टिकिट काट कर भाजपा में उन्की आये व्यक्ति नरेश बरकड़ को भाजपा का उ मीठवारी बनने से भाजपा में भागी बनगयी रही और उन्के कारण भाजपा के जलद्वार में थोड़ा बड़े प्रयाशी नरेश बरकड़ चुनाव हार गये। उन्के भाजपा के



कर्यकर्ताओं, नेताओं और आम मतदाताओं की नाराजगी दूर करने का समय ही नहीं मिल पाया। भाजपा के चुनावी नरेश बरकड़ को प्रत्या प्रथक था भी इतना सीमित समय मिला कि वह विधानसभा के अनेक ग्रामों में संपर्क के लिये भी नहीं पहुँच पाये। यही दूसरी ओर कांग्रेस के प्रत्याशी

संबंधित पक्षर समाज के स्थापित नेता भी डॉ. डालसिंह बिसेन को चुनाव जिताने के लिये जो तैयार करने में जुट गये और यह वह समय था जब बरघाट विधानसभा से विधायक श्रीमती प्रभा भागवत के सुपुत्र सुनील भागवत के संसूचक कुचिरी नेता विक्रमनाथ क्षेत्र में आंकड़ मचये हुये थे जिनकी कर्तव्य लंबी है, परंतु इन सारे कारणों से कांग्रेस की प्रत्याशी श्रीमती प्रभा भागवत बड़ी मुश्किल से अपनी उम्मीदनात कात पायी उस चुनाव में डॉ. बिसेन को 36 711 वोट प्राप्त हुये थे जो कुल मतदान का 56 प्रतिशत मत था और श्रीमती प्रभा भागवत को 10,959 मत जो कुल मतदान का 17 प्रतिशत था। फिर 1990 से लगातार बरघाट विधानसभा से डॉ. डालसिंह बिसेन विधायक रहे 2008 के विधानसभा चुनाव में बरघाट विधानसभा अर्थात् होने के कारण यहाँ से कमल मरसंकोले भाजपा से प्रत्याशी रहे और वे चुनाव जीते 2013 में भी कमल मरसंकोले ही जीते 2018 में भाजपा ने नरेश बरकड़ को प्रत्याशी बनाया जो कांग्रेस के प्रत्याशी अर्जुन काकोडिया से चुनाव हार गये।



में सफल रहे उन समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ। लालमट्टी सहीत बरघाट क्षेत्र में पंच नहर का पानी सिंचाई के लिये उपलब्ध करने की उन्की घोषणा रही है परंतु इस संबंध में उन्कोने कांग्रेस की सरकार रहते हुये और फिर भाजपा की सरकार आने पर भी कोई प्रयास नहीं किये। वहाँ कांचना मंडी जलाशय की नहर निर्माण व्याक अभिनियमों हुई उस संबंध में भी विधायक काकोडिया को लंबी चुप्पी रही। बरघाट नगर मु लयवत में 1989 में महर्षिदायारण स्थापित हुआ जहाँ भाजपा विधायकों के कार्यकाल छोटी हुई उस संबंध में भी विधायक काकोडिया को लंबी चुप्पी रही। बरघाट नगर मु लयवत में 1989 में महर्षिदायारण स्थापित हुआ जहाँ भाजपा विधायकों के कार्यकाल छोटी हुई उस संबंध में भी विधायक काकोडिया को लंबी चुप्पी रही। बरघाट नगर मु लयवत में 1989 में महर्षिदायारण स्थापित हुआ जहाँ भाजपा विधायकों के कार्यकाल छोटी हुई उस संबंध में भी विधायक काकोडिया को लंबी चुप्पी रही।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

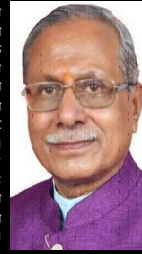
अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।



अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

अरुण सिंह काकोडिया 2013 का चुनाव बहुत कम मते से हारे थे अनेक कारणों से उन्के भाजपा के कार्यकर्ताओं से उन्की हार का कारण पूछा जा रहा था। इस प्रकार अनेक ऐसे कारण रहे जिससे भाजपा के हाथ से बरघाट विधानसभा दूर हो गयी।

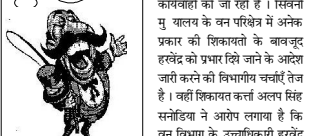
जलसंसाधन विभाग में उपयंत्री की हुई नियुक्ति

छपरा यशो- केवलारी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अरुण सिंह जी के प्रयासों से किसानों की मांग एवं किसानों के हित में जल संसाधन विभाग में हुई उपयंत्री की नियुक्ति।

जल संसाधन विभाग भीमगढ़ बांध अंतर्गत तिलवारा बाणी तट नहर संचालन केवलावारी में संचालित की कमी को देखते हुये केवलारी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक अरुण सिंह जी के प्रयासों से किसानों के हित एवं किसानों की मांग पर मध्यप्रदेश शासन शासन जल संसाधन विभाग मध्यप्रदेश आंदोलन अंतर्गत तिलवारा बाणी तट नहर संचालन केवलावारी में चार उपयंत्री एवं एक सहायक यंत्री की पदस्थापना की गई सभी उपयंत्री एवं सहायक यंत्री ने अपना पदभार ग्रहण किया।भीमगढ़ दायी नहर उपसभा क्रमांक 03 कान्हीवाड़ा में उपयंत्री

जवरन नौलेज

लीन बोस्टेड हो फिर भी प्राण काका हा हा हा



बस आपरेटर संघ की बैठक, समस्याओं पर हुई चर्चा

सिवनी यशो- जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

कावड़ से लाए गए गंगाजल से होगा शिव अभिषेक

कहानी यशो- सावन मास के प्रारंभ होते ही अर्थात् गुरु पूर्णिमा पवन तिथि से ही स्थानीय श्री राम मौरि कदावती में अरुण रामायण पाठ एवं प्रतिदिन शिव अभिषेक का आयोजन संभव होता है। श्री राम मौरि वाले बरघाट जी की शिव प्रजा से शिव 32 वर्षों से श्रम अन्वयत पाठ सार सौमवार को प्रारंभ होकर कर्जलिया के दिन समाप्त होता है। सावन सोमवार को प्रभात दारा कावड़ के माध्यम से लाए गए गंगाजल (मजामा) के द्वारा शिव अभिषेक पूजन संभल करवाया जायेगा प्रतिदिन अलग-अलग भागों के द्वारा शिव अभिषेक पूजन में सौ मिलित हुआ जाता है। श्री राम मौरि की शिव अभिषेक पाठक एवं शिव अभिषेक पुजारी सहायक के माध्यम से वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ संपूर्ण कदावती प्राण पुंजायमान है। योंकि इस वर्ष पुरोहितय मास के कारण यह संपूर्ण आयोजन 2 माह के लिए संचालित होने अतः सफल समस्त प्राण वासियों को ग्रामीण भागों बहनों को इन समस्त धार्मिक आयोजन में सौ मिलित होने के लिए सावर आमंत्रित करती है।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

अधिवक्तागणों से की गयी मासिक चंदा जमाकरने की अपील

सिवनी यशो- जागे प्रेम विवाहों में शिव अभिषेक संघ सिवनी (म.प्र.) के चुनाव अधिकारी कुलेश अश्विनी एडवोकेट द्वारा बताया गया कि जिला अधिष्ठाता संघ सिवनी (म.प्र.) के दिवंगत कार्यकाल वर्ष 2023-2025 हेतु संघ के चुनाव संसंध कराने जाने हेतु संघ के सदस्यों को मासिक चंदा बकाया राशि सूची संघ के सचिव दण्ड निखिलेन्द्र नाम सिंह एडवोकेट द्वारा दिनांक 24.07.2023 को जारी कर संघ के सूचना पटल पर चला कर दी गई है।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

आपरेटर संघ की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में जिला बस और जाने वाली बस जिला कलेटी धरनी की टारन को ध्यान में रखते हुए वायापरास मार्ग से होकर हुये।

हरवेन्द्र बघेल को सिवनी परिक्षेत्र का अनैतिक तरीके से दिया जा रहा है प्रभार

सिवनी यशो- सिवनी दक्षिण वनमंडल के अंतर्गत पदस्थ उपनक्षेत्रपाल हरवेन्द्र बघेल को वन वृक्ष विभाग एवं वन्य जीव वन्य जीव विभाग में अनेक प्रकार की शिकायतों के बावजूद हरवेन्द्र को प्रभार दिने जाने के अंशदा जारी करने की विचारणीय चर्चा तैयार है। वही शिकायतों अंतर्गत सिवनी सनोडिया में आरोप लगाया है कि वन विभाग के उच्चाधिकारी हरवेन्द्र सिंह बघेल के प्रलोभन में आकर अनैतिक कार्य कर रहे हैं जो कानून और विधायक नियमों के विपरीत है। शिकायतकर्ता ने कहा है कि हरवेन्द्र सिंह जी 2020 में शिकायत की जाँच तत्कालीन एस डी ओ चंद्रिका सिंह द्वारा की गयी थी जिसमें एस डी ओ ने वन संरक्षक सिवनी को प्रत्येकद सौधा था जिसमें उन्होंने स्पष्ट उल्लेख किया था कि हरवेन्द्र सिंह बघेल को अनैतिक तरीके से प्रोत्साहित दी गयी है। उन्होंने अपने प्रतिवेदन में लिखा था कि हरवेन्द्र बघेल को वरीयता सूची के संकेत में विधायक अधिकार संपन्न व्यक्तियों द्वारा गड़बड़ी की गयी है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि हरवेन्द्र सिंह बघेल को दो परदेसित अनैतिक तरीके से प्रदान की गयी है उनको वरीयता क्रम में लाने के लिये विधायक अधिकारियों ने दस्तावेजों से छेड़छाड़ की है जो जॉब अधिकारी के प्रतिकूल से स्पष्ट है। हरवेन्द्र सिंह बघेल की वरीयता 16 जनवरी 2003 से होने के स्थान पर उसे 23 जुलाई 1994 किया गया है जो विधायक नियमों के अनुसार नहीं है। शिकायतकर्ता की शिकायत पर वर्ष 2020 में एस डी ओ चंद्रिका सिंह ने जाँच की थी जिसमें हरवेन्द्र सिंह बघेल को परदेसित दिन नियमों के विपरीत पाया गया था जिसकी जाँच की विधायक अधिकारियों द्वारा दाख किया गया। उन्की जाँच की पुनः जाँच एस डी ओ द्वारा की गयी थी और जिस कर्मचारी को जाँच चला दी जिसे पूर्ण जो जाँच में दोषी पाया गया उसे उन्के अधिकार से उच्चा पदा का पत्र देना अधिकारियों की नैक नीयत का परिचायक नहीं है।

मोहरम पर अखाड़े का हुआ प्रदर्शन



सिवनी यशो- मोहरम पर्व के अवसर पर राजगी बाई जिना चौक में अखाड़े का प्रदर्शन रखा गया जिसमें 10 अखाड़े ने प्रदर्शन किया। मेजर ध्यानचंद बाई से पाण्डे एवं सभापति नगर पालिका सिवनी नानी सुहेल पक्षा एवं नगर पालिका अध्यक्ष शशीकत खान कार्यक्रम अंशक एवं मु य अतिथी के तौर पर उन्किधत हुए। कार्यक्रम के समापन पर हानी सुहेल पक्षा, वरिष्ठ कांग्रेसी हानी सतार खान और हानी बहोदर समर के द्वारा सभी अखाड़े और खिलाड़ियों को ट्रॉफी वा पुरस्कार दिया गया। आयोजन कर्ता तन्वीर अहमद, ईजू पाणा, शाहन अहमद फिरीदपुर पाण्डेवर वा काजी बाई के सभी युवाओं ने सभी अखाड़े एवं दर्शकों का कार्यक्रम की सफलता के लिए आभार माना।

बंटाढार और करफ़ाननाथ बताएं, मध्यप्रदेश को कितना पैसा देती थी कांग्रेस की सरकार: अमित शाह

केंद्रीय गृहमंत्री ने बृहत् कार्यकर्ता संमेलन में कहा- देश में नंबर-1 है मध्यप्रदेश का पाटी संगठन

इंदौर। प्रधानमंत्री मोदी जी और शिवराज जी के नेतृत्व वाली भाजपा को डबल इंजन की सरकार का मध्यप्रदेश के गांव-गांव, नगर-नगर और हर गली-मोहल्ले तक विकास को पहुंचाया है। बि.बंटाढार और करफ़ाननाथ प्रदेश की जनता को सह बनाए कि 2004 से 2014 तक जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तो मध्यप्रदेश को कितना पैसा देते थे? कौनसे की सरकार महज 2 लाख करोड़ रुपये देती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सरकार 9 सालों से मध्यप्रदेश को 7.5 लाख करोड़ रुपये दे रही है। तबसे और राजगणों के विकास के लिए 1 लाख करोड़ रुपये अलग से दिए हैं। खासतौर पर एएसोई के विकास, रोना में नए एएसोई, जबलपुर में नए एमिनक, 4000 तालाब और कुएँ मिलाकर एक हजार मेगावाट भ्रमण के सोलर प्लांट के लिए पैसा दिए हैं। भाजपा को डबल इंजन वाली सरकार मध्यप्रदेश को देश का नंबर-1 राज्य बनाएगी। यह बात केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इंदौर में आयोजित बृहत् कार्यकर्ताओं के संमेलन को संबोधित करते हुए कहा।

मध्यप्रदेश के केंद्रीय मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर, पाटी के राष्ट्रीय महासचिव श्री केशव शिवराज, मू यमत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एन प्रदेस अध्यक्ष श्री विष्णुनाथ शर्मा ने भी संबोधित किया।

देवी अहिल्याबाई के काम को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री मोदी जी

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि इंदौर की धरती पर मैं सबसे पहले देवी अहिल्याबाई को प्रणाम करता हूँ, जिन्होंने गुलामों के अवशेषों को मिटाते और भारतीय संस्कृति तथा धर्म को पुनरुत्थान के लिए अभियान चलाया। उन्होंने तीर्थों का जीर्णोद्धार किया, इसलिए हर तीर्थ के साथ उनका नाम जुड़ा है। उनके इस काम को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आगे बढ़ा रहे हैं। अयोग्या में भगवान राम के महिरे के लिए सालों से संघर्ष चल रहा था। बीते 550 सालों में न जाने कितने लोग इसे संघर्ष में शामिल हो गए। रामलला टीन में धारित थे और कांग्रेस इस मामले को सातों से लड़ता, अन्धकार और अंधकार की धड़कन थी। प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार बनने के बाद इस मामले को न्यायपूर्ण प्रक्रिया के माध्यम से सुलझाया गया और अन्धकार का जग आदेश आया, तो मोदी जी ने राम जन्मभूमि पर बनने वाले भव्य मंदिर का भूमिपूजन किया। आज प्रदेश के 91.90 लाख किसानों को किसान स मान निधि मिल रही है। 60.22 लाख घरों में नल करने शन दिए हैं, 3.6 करोड़ गरीबों को 5 लाख तक का इलाज मु त मिल रहा है। 80 लाख घरों में जौलवाय बनाए गए हैं। 1.2 करोड़ परिवारों के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिमह 5 किलो अन्नान बेदी की सरकार दे रही है और शिवराज जी की सरकार उसे बर



नहीं किया। भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गरीबों के लिए जो काम हुए हैं, उनके कारण ही आज भाजपा गरीबों के दिलों को छू रही है। प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने मध्यप्रदेश में जब कमलनाथ की सरकार थी, तो उस सरकार ने किसान स मान निधि योजना के लिए पात्र किसानों के नाम नहीं भेजे। फिर शिवराज जी की सरकार बनी और 10 दिनों में पात्र किसानों की सूची पहुंचा दी गई। आज प्रदेश के 91.90 लाख किसानों को किसान स मान निधि मिल रही है। 60.22 लाख घरों में नल करने शन दिए हैं, 3.6 करोड़ गरीबों को 5 लाख तक का इलाज मु त मिल रहा है। 80 लाख घरों में जौलवाय बनाए गए हैं। 1.2 करोड़ परिवारों के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिमह 5 किलो अन्नान बेदी की सरकार दे रही है और शिवराज जी की सरकार उसे बर



तक पहुंच रही है। 11 लाख बच्चों को उच्चव्याय योजना के तहत स कने नन मिले हैं और 53 लाख प्रधानमंत्री आवास के लिए सवा दो करोड़ रुपये हितायुक्तियों के खातों में पहुंचाए गए हैं।

कमलनाथ सरकार ने दिया टी वी बंटाढार रणनीति की याद

श्री शाह ने कहा कि मध्यप्रदेश में कमलनाथ की सरकार 15 महीने चली और इतने दौरान कमलनाथ ने उन 51 योजनाओं को बंद कर दिया था, जो गरीबों के लिए बनी थीं। उन योजनाओं को बंद करने के बाद ही 91.90 लाख किसानों को किसान स मान निधि मिल रही है। 60.22 लाख घरों में नल करने शन दिए हैं, 3.6 करोड़ गरीबों को 5 लाख तक का इलाज मु त मिल रहा है। 80 लाख घरों में जौलवाय बनाए गए हैं। 1.2 करोड़ परिवारों के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिमह 5 किलो अन्नान बेदी की सरकार दे रही है और शिवराज जी की सरकार उसे बर

स बंदकर 13 हजार किलोमीटर पर पहुंच गए हैं। कांग्रेस के समय में गेहूं खरीदा जाता था, शिवराज सरकार ने पिछले साल 70 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा है। उस समय 95 हजार मीट्रिक टन धान खरीदी जाती थी, शिवराज सरकार ने 46 लाख मीट्रिक टन धान खरीदी है। कांग्रेस के समय में हर साल प्रदेश में 620 डॉ टर पैदा होते थे, आज 4000 डॉ टर हर साल पैदा हो रहे हैं और मीडिकल की पड़ई हिन्दी में भी हो रही है।

मोदी जी ने तुनिया में बुलंद किया भारत का झंडा

श्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी की सरकार ने 9 सालों में दुनिया में भारत का झंडा बुलंद किया है। मोदी जी जहां जाते हैं, वहां मोदी-मोदी के नारे लगते हैं, नारे मोदी जी के लिए नहीं, बल्कि मालवा की धरती, मालकर

महाकाल दर्शन करने आए युवक ने यात्रीगृह से कूदकर की आत्महत्या, दोस्त से विवाद के बाद छत से लगाई छलांग

उज्जैन। महाकाल दर्शन करने आया छत्तीसगढ़ का युवक शनिवार रात 11 बजे के लगभग मुमुन यात्रीगृह की छत से कूद गया। सिर में गंभीर चोट लगने पर उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉ टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस घटना का पता चलने पर मौके पर पहुंची गई थी।

छत्तीसगढ़ के जिला बेमरत ग्राम निवासी नवाबह से बना महाकाल के दर्शन करने 15 देवतों का दल शनिवार सुबह उज्जैन पहुंचा। उन्होंने कदारवाड़ी स्थित मुमुन यात्रीगृह में तीसरी मंजिल पर कन्या नंबर 13 और 30 रुकने के लिए बूक किया था। दिनभर सभी ने महाकाल दर्शन किए और महाकाल लोक भूया। रात को कुछ देरत खाकर होटल लौटे आए थे। जो यात्रीगृह की छत पर घूम रहे थे। उसी दौरान पुरुषोत्तम पिता तुलसी साह 25 वर्ष उम्र के नीचे कूद गया। जमीन पर गिरते ही सिर में गंभीर चोट लगी और खून से लथपथ हो गया। उसे लथपथ यात्रीगृह कर्मचारियों ने आदों की मदद से देवतों के साथ जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉ टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि पुरुषोत्तम की किसी बात पर फोटोग्राफी करने वाले सहायक दोस्त अजय साह से किसी बात पर कहासुनी हुई, जिसके बाद पुरुषोत्तम कूद गया। घटना की जानकारी मिलते ही महाकाल धारा पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। देवतों ने बताया कि पुरुषोत्तम का विवाह नहीं हुआ था। वह सार थाई-बहनों में सबसे छोटा था। परिवार वालों किसी का काम करता है। महाकाल धारा एसआई जगत डामरे ने बताया कि मामले में गंगा काम किया जा रहा है। जवाहर सुबह पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा और दोस्तों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

जबलपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, नशीले ड्रग्स शन के जखीरे के साथ दो आरोपी गिर तार

जबलपुर। केंद्रल रूप में आयोजित प्रकाश बालों में पुलिस अधीक्षक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिनमें पिछले कई महीने नशीले ड्रग्स शन का कारोबार चल रहा था जिसका जुड़ाई मान में लगातार पुलिस नशीले ड्रग्स शन बेचने वालों को पकड़ती हुई सचन प्रह्लादछ में नशीले ड्रग्स शन पूरे शहर में ड्रग्स शन सहाई करने वाले सरगना जैराम परिवारियों को हिरासत में लिया गया है कि अंतिम इलाके में अपनी देखाई की दुकान से ड्रग्स शन की सहाई करता था जिसके बाद नैजल परिवारियों ने पुलिस को बताया कि वह खेड़ा विभागई नानक डूक से नशीले ड्रग्स शन की खेप सहाया करत था।

BJP ने जारी की घोषणा पत्र समिति, मलैया बनाए गए प्रमुख, कई दिग्गजों के नाम कटे

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए BJP ने अपना मैनिफेस्टो जारी घोषणा पत्र तैयार करने वाली समिति का एलान कर दिया है। जगत मलैया की अध्यक्षता वाली 19 सदस्यों की इस समिति में कई दिग्गज नेताओं को साइडलाइन किया गया है, जिसके बाद प्रमुख की नियुक्ति मरमा गई है। लिस्ट में केंद्रीय मंत्री डॉ टर वीरेंद्र खटीक, पूर्व सीएम उमा भारती, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुभाष महाराज, भोपाल भावन, जयभान सिंह पेंवैया आदि के नाम नहीं हैं।



लोकसभा स्पीकर सुभाष महाराज, केंद्रीय पार्लियामेंट बोर्ड के सदस्य सत्यनारायण जडिया, कृष्ण मुरारी मोघे, विक्रम वर्मा, भोपाल भावन, जयभान सिंह पेंवैया और पूर्व सांसद रुद्रदेव शर्मा का नाम शामिल नहीं होने से सिपायी समसमी फैल गई है।

कर्मठों में जगह मिली है, लेकिन सिर्फ वीरेंद्र खटीक ही ऐसे मंत्री हैं, साथियों के साथ बैकड चर्च करतीं, नैजवाली, महिलाओं, किसानों और शोषित-वंचित वर्गों के लिए बीजेपी गया? दरअसल, कुछ दिनों पहले सोनिया शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय मंत्री बतौर खटीक ने पत्र लिखकर 10 साल पुरानी घोषणाओं को पुरा करने का रिमांड भेजा था। इस पत्र में साफ किशोर करते हुए केंद्रीय मंत्री ने लिखा था कि 2013 और 2018 इले शन से उके पहले दो बार एक ही काम की घोषणा हुई पर अन्त तक वह काम पूरे नहीं हुए हैं। यह पत्र काफी सुर्खियों में आया था। उसके बाद सरकार को किरकरी भी हुई।

जगत मलैया ने दिया बयान

घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनने के बाद पूर्व मंत्री जगत मलैया ने कहा- घोषणा पत्र को लेकर सभी साथियों के साथ बैकड चर्च करतीं, नैजवाली, महिलाओं, किसानों और शोषित-वंचित वर्गों के लिए बीजेपी गया? दरअसल, कुछ दिनों पहले सोनिया शिवराज सिंह चौहान को केंद्रीय मंत्री बतौर खटीक ने पत्र लिखकर 10 साल पुरानी घोषणाओं को पुरा करने का रिमांड भेजा था। इस पत्र में साफ किशोर करते हुए केंद्रीय मंत्री ने लिखा था कि 2013 और 2018 इले शन से उके पहले दो बार एक ही काम की घोषणा हुई पर अन्त तक वह काम पूरे नहीं हुए हैं। यह पत्र काफी सुर्खियों में आया था। उसके बाद सरकार को किरकरी भी हुई।

मध्यप्रदेश और भारत के लिए लागते हैं। मोदी जी ने देश को सुरक्षित बनाया है। सोनिया-ममोनो की सरकार के समय पाकिस्तान के अलिया, मालिया, मालिया आते थे और केकसूर लोगों को गोली मारकर चले जाते थे। शह सभा उके तक नहीं करती थी। आप सभी के बोटों से देश में नरेंद्र मोदी जी की सरकार बनी। लेकिन पाकिस्तान मूल पया था कि देश में अब सोनिया-ममोनो की सरकार नहीं है। आतंकियों ने उड़ी और पुलवामा में हमारे प्रयोग पर हमला किया, मोदी सरकार ने 15 दिनों के अंदर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके आतंकियों को उके घर में घुसकर खिज्जना उडा दी। कांग्रेस 70 सालों तक भारत की सरकार के समय में हर साल घातरी रही। मोदी जी की सरकार ने धारा 370 हटा दी। उस समय कांग्रेस, नरूपी और अन्य दलों ने मिलकर

मध्यप्रदेश एक बार फिर टाइगर स्टेट बना - मू यमत्री

वनाय रचना भी जरूरी है। जलवायु प्रदूषण और वन्य-प्रणियों पर आधारित फिल्मों का प्रदर्शन

मू यमत्री श्री चौहान ने म.प्र. के बाणों की शरणावधि प्रदर्शनी का अखलोकन किया। प्रदेश में बाघ संरक्षण पर सतततुड़ा रिजर्व के केंद्र फिलिम दिखार स्टेट भी है। मू यमत्री ने फिल्म के कलाकारों को समुचित-चिन्ह प्रदान किए।

खुशकाम के लिए वन विभाग के कामचलायों का संमन

मू यमत्री श्री चौहान ने वन विभाग के शासकीय प्रदर्शनी को उल्लेख करने के लिए प्रखित-पत्र प्रदान किए। वन विभाग के कर्मचारियों को सहायत्व के साथ वाईड लाइफ से चुरी किट भी दी गई। कार्यक्रम में मू यमत्री श्री चौहान को समुचित-चिन्ह प्रदान किया।

भोपाल का गो-काष्ठ अन्य राज्यों का भी बचा रहा वन एवं पर्यावरण

देश में मशहूर हो रहा है भोपाल का गो-काष्ठ मॉडल

भोपाल। पृथ्वी पर प्राणी मात्र के अस्तित्व के आधार और स्वच्छ पर्यावरण को बनाने की एक अमूर्त अड्डा है, मध्यप्रदेश के भोपाल को गो-काष्ठ मम और ईश्या बने जाने वाले मंडेल फौंडेशन मंडल के वैश्विक डॉ योमंड कुमार से सेना बंद 5 लाख फुटवर्ग भोपाल में शुरू की गई मुहिम से अन्त तक 5 लाख 10 हजार डिगल लकड़ी और एकलोन 3400 एकड़ का वन क्षेत्र बच सका है। वहीं गरीबों के आय पकने होने से भी-जालाओं में केंद्र, चंद और अनुपयोगी गायों की पूर-पख बढ़ गई है। शन दहन, होलिका दहन, औद्योगिक ब्यासल, होटल के लहू-पख अस्तर आदि में खसक खसक गो-काष्ठ लगे हैं। डॉ से सेने ने बताया कि गो-काष्ठ के जलने से 24.80 प्रतिशत कार्बन डॉड ऑ सहात का उत्सर्जन कम होता है। नती कम होने के कारण गो-काष्ठ ज्वरी जल जात है और आम की लकड़ों से तक जलती रहती है। सामान्य लकड़ी से खन दहन को 8 से 9 फुट लागते हैं जबकि गो-काष्ठ से यह प्रक्रिया 4-5 फुट में पूरी हो जाती है। सामान्य लकड़ी की खपत 4 से 5 डिगल के विरुद्ध गो-काष्ठ केवल डॉड से 3 डिगल ही लगता है। हिन्दू मान्यता के अनुसार यह संभव होने के साथ स्वस्थ भी रहता है।

भोपाल के 10 प्रखण्ड में आमजन गो-काष्ठ का प्रयोग खेखे से करते लगे हैं। भोपाल ही नहीं दिल्ली, बनारस, कानपुर, नागपुर, मुंबई, जयपुर, अमरवती, देवतक, रायपुर, इंदौर, कनौ, किरवाड़ा, सिरस, प्रयागराज आदि शहरों में भी भोपाल के गो-काष्ठ का प्रयोग अंतिम संस्कार के लिये किया जा चुका है। भोपाल के गो-काष्ठ पूरे देश में एक मॉडल के रूप में स्थापित हो चुका है। केन्द्र शासन द्वारा प्रयोग के राशिय रत पर भोपाल मॉडल को आधार बनाने हुए गो-काष्ठ मिनिंग और उपयोग के लिये हिन्दा-निर्देश जारी किये गये हैं। भोपाल के 10 प्रखण्ड गो-काष्ठ का उपयोग हो चुका है। इसमें से 80 हजार डिगल गो-काष्ठ होलिका दहन में उपयोग हुआ। गो-काष्ठ के एखन में लगभग 85 हजार पेड़ कटने से बचे हैं। डॉ से सेना को खल-रेख में बुरनी की चंधामन इंडस्ट्री में केरिडव पॉवर प्लांट में फेब्रिक के निर्माण में प्रयोग के रूप में गो-काष्ठ का प्रयोग हुआ। इससे 19 मेगावॉट की बिजली बचाई गई, जो विरुकुल कोयले की तरह जलाती है। गो-काष्ठ के उपयोग से 30 प्रतिशत प्रदूषण भी कम होता है। केरिडव पॉवर प्लांट में 135 टन प्रति घंटा क्षमता का ब्यावर है, जिससे अधिकतम 115 टन प्रति घंटा मात्र का उत्पादन किया जाता है, फिर 24 मेगावॉट के प्लांट में अधिकतम 19 मेगावॉट बिजली बनती है, जिसके लिये पूरे 360 टन कोयला इस्तेमाल होता है।

